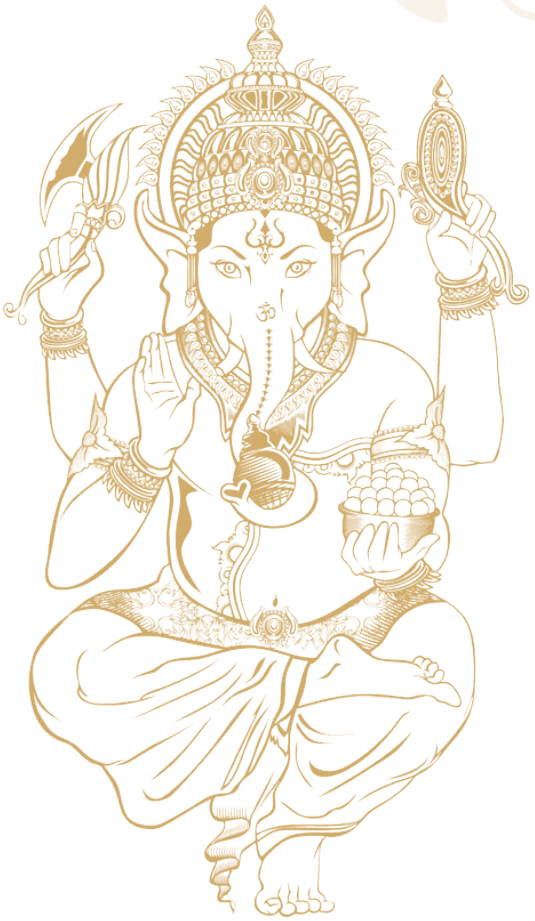

KANIKA

05 Dec 1986

01:16 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120990402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**4-05/12/1986**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:16:00 घंटे**
इष्ट	45:43:24 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:54:52 घंटे
वेलान्तर	00:09:56 घंटे
साम्पातिक काल	05:48:11 घंटे
सूर्योदय	06:58:38 घंटे
सूर्यास्त	17:23:46 घंटे
दिनमान	10:25:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:41:38 वृश्चिक
लग्न के अंश	03:43:18 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोली
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:43:18	318:03:12	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	18:41:38	01:00:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मक	02:52:20	14:48:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			कुंभ	12:15:05	00:41:04	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध			तुला	29:17:14	01:16:27	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	20:27:55	00:05:12	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			तुला	12:40:46	00:19:22	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि		अ	वृश्चि	18:33:03	00:07:07	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	25:45:02	00:07:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	25:45:02	00:07:28	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	28:17:06	00:03:37	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	11:00:09	00:02:08	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	14:58:08	00:02:07	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	03:36:50	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:22

लग्न-चलित

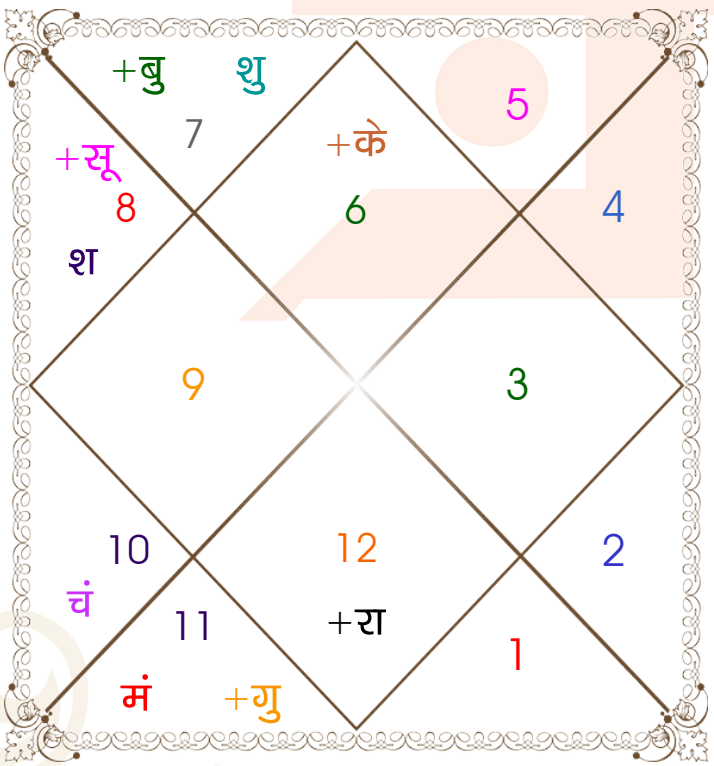

चन्द्र कुंडली

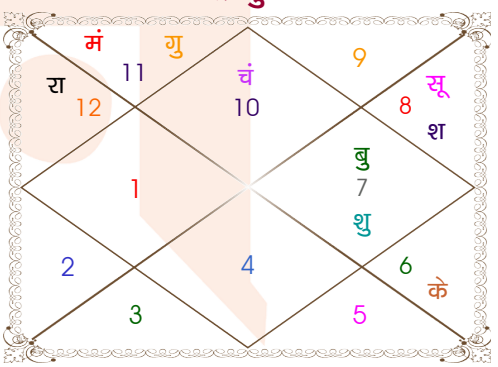

नवमांश कुंडली

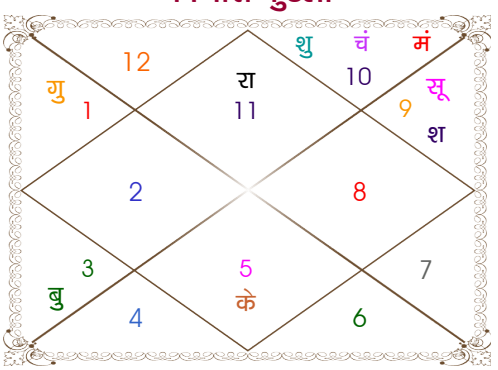

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 2 मास 14 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/12/1986		18/02/1990		19/02/2000		18/02/2007		18/02/2025	
18/02/1990		19/02/2000		18/02/2007		18/02/2025		18/02/2041	
	00/00/0000	चंद्र	19/12/1990	मंगल	17/07/2000	राहु	01/11/2009	गुरु	08/04/2027
	00/00/0000	मंगल	21/07/1991	राहु	04/08/2001	गुरु	26/03/2012	शनि	19/10/2029
	00/00/0000	राहु	18/01/1993	गुरु	11/07/2002	शनि	31/01/2015	बुध	25/01/2032
	05/12/1986	गुरु	20/05/1994	शनि	20/08/2003	बुध	19/08/2017	केतु	31/12/2032
गुरु	26/12/1986	शनि	20/12/1995	बुध	16/08/2004	केतु	07/09/2018	शुक्र	01/09/2035
शनि	08/12/1987	बुध	20/05/1997	केतु	12/01/2005	शुक्र	07/09/2021	सूर्य	19/06/2036
बुध	13/10/1988	केतु	19/12/1997	शुक्र	14/03/2006	सूर्य	01/08/2022	चंद्र	19/10/2037
केतु	18/02/1989	शुक्र	20/08/1999	सूर्य	20/07/2006	चंद्र	31/01/2024	मंगल	25/09/2038
शुक्र	18/02/1990	सूर्य	19/02/2000	चंद्र	18/02/2007	मंगल	18/02/2025	राहु	18/02/2041

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/02/2041		19/02/2060		18/02/2077		19/02/2084		20/02/2104	
19/02/2060		18/02/2077		19/02/2084		20/02/2104		00/00/0000	
शनि	22/02/2044	बुध	17/07/2062	केतु	17/07/2077	शुक्र	20/06/2087	सूर्य	08/06/2104
बुध	01/11/2046	केतु	14/07/2063	शुक्र	16/09/2078	सूर्य	19/06/2088	चंद्र	08/12/2104
केतु	11/12/2047	शुक्र	14/05/2066	सूर्य	22/01/2079	चंद्र	18/02/2090	मंगल	15/04/2105
शुक्र	09/02/2051	सूर्य	21/03/2067	चंद्र	23/08/2079	मंगल	20/04/2091	राहु	09/03/2106
सूर्य	22/01/2052	चंद्र	19/08/2068	मंगल	19/01/2080	राहु	20/04/2094	गुरु	06/12/2106
चंद्र	23/08/2053	मंगल	16/08/2069	राहु	06/02/2081	गुरु	19/12/2096		00/00/0000
मंगल	01/10/2054	राहु	05/03/2072	गुरु	13/01/2082	शनि	19/02/2100		00/00/0000
राहु	07/08/2057	गुरु	11/06/2074	शनि	21/02/2083	बुध	20/12/2102		00/00/0000
गुरु	19/02/2060	शनि	18/02/2077	बुध	19/02/2084	केतु	20/02/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 2 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।